भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 593**

06 फरवरी, 2024 को उत्तरार्थ

**विषय: हाइड्रोपोनिक्स खेती को बढ़ावा**

593. श्री मोहनभाई कुंडारिया:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की एक व्यापक और सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कृषि नीतियों में हाइड्रोपोनिक्स खेती को समाहित करने की योजना है;

(ख) यदि हां, तो हाइड्रोपोनिक्स के फायदों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विभिन्न राज्यों में इन आउटरीच कार्यक्रमों की सफलता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने हाइड्रोपोनिक्स खेती को व्यापक रूप से अपनाए जाने को प्रोत्साहित करने के लिए हाइड्रोपोनिक्स खेती आरम्भ करने वाले किसानों के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन या राजसहायता शुरू की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री अर्जुन मुंडा)

(क) से (ङ): मिट्टी के बिना और पोषक तत्वों के घोल या पोषक तत्वों से भरपूर पानी के साथ पौधों को उगाने की पद्धति को हाइड्रोपोनिक्स कहा जाता है, जो आमतौर पर ग्रीनहाउस या आंतरिक स्थानों पर संरक्षित वातावरण, जहां तापमान, नमी और प्रकाश को बारीकी से नियंत्रित किया जाता है, में कार्यान्वित की जाती है। हाइड्रोपोनिक्स भारत में एक नई परिकल्पना है और यह सीमित प्राकृतिक संसाधनों वाले स्थानों पर फसलों की सतत और व्यावसायिक खेती के लिए उद्यमियों और नवोन्मेषी किसानों के बीच लोकप्रिय हो रही है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पास फिलहाल मौजूदा कृषि नीतियों में हाइड्रोपोनिक्स खेती को एकीकृत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यद्यपि,एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) की उप-योजना राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के तहत संरक्षित खेती के लागत मानदंडों के अनुसार खेती की हाइड्रोपोनिक पद्धति का उपयोग करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बेंगलुरु तुलनात्मक उत्पादकता, कार्य-क्षमता और व्यवहार्यता को मजबूत करने के लिए इस नई तकनीक पर शोध कार्य कर रहा है। आईआईएचआर, बेंगलुरु ने कोकोपोनिक्स के लिए उत्पादन तकनीक विकसित की है, जिसके तहत सब्सट्रेट के रूप में कोकोपीट का उपयोग करके बागवानी फसलों का मिट्टी रहित उत्पादन किया जाता है। इस तकनीक ने जुकुनी, पत्तागोभी, मिर्च, बैंगन और पत्तेदार सब्जियों आदि की मिट्टी रहित खेती के लिए अर्क सस्य पोषक रस का तरल पोषक तत्व तैयार किया है।

आईआईएचआर, इच्छुक किसानों और उद्यमियों को इस तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। सीमित प्राकृतिक संसाधनों वाले स्थानों पर फसलों की सतत और व्यावसायिक खेती के लिए हाइड्रोपोनिक्स पद्धति उद्यमियों और नवोन्मेषी किसानों के बीच लोकप्रिय हो रही है।

आईसीएआर-केंद्रीय उष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (सीआईएसएच), लखनऊ उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में सतत और लागत प्रभावी हाइड्रोपोनिक फसल उत्पादन के लिए हाइड्रोपोनिक्स के स्वदेशी संरचनात्मक डिजाइन और पद्धतियों के पैकेज के विकास की दिशा में कार्यरत है। संस्थान ने उच्च मूल्य वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए चार हाइड्रोपोनिक पद्धतियों (पोषक फिल्म तकनीक, ईबीबी और फ्लो तकनीक, ड्रिप हाइड्रोपोनिक तकनीक और जियोपोनिक्स तकनीक) का मूल्यांकन किया है।

******